भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2511

जिसका उत्तर 21 दिसम्बर, 2022 को दिया जाना है

कोयले के उपयोग में कमी

2511. श्री बी.एन. बचेगौडा:

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पर्यावरण को बचाने के लिए विश्व स्तर पर कोयले के उपयोग को कम करने का प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और बायो गैस के उत्पादन प्रतिशत का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कोयले की मांग में वृद्धि हुई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) और (ग) : चूंकि कोयला भारत में ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है, इसलिए मांग वर्ष 2030-2035 के बीच संभावित चरम के साथ बनी रहेगी। 2022-23 (अप्रैल, 22 से अक्टूबर, 22) में, कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों में कोयले की खपत 12% की वृद्धि के साथ पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 398.2 मि.ट. की तुलना में बढ़कर 447.6 मिलियन टन (मि.ट.) हो गई है।

पर्याप्त भंडार के साथ ऊर्जा का एक किफायती स्रोत होने के नाते, कोयला निकट भविष्य में ऊर्जा का प्रमुख स्रोत बना रहेगा। देश को स्थिरता के लिए और ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी कोयला आधारित उत्पादन की आधार भार क्षमता की आवश्यकता होगी।

(ख) : नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से लगभग 50 प्रतिशत संचयी विद्युत ऊर्जा स्थापित क्षमता प्राप्त करने की योजना है। अब तक देश में दिनांक 31.10.2022 की स्थिति के अनुसार गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से कुल 172.72 जीडब्ल्यू क्षमता स्थापित की जा चुकी है। इसमें 119.09 जीडब्ल्यू आरई (सौर 61.63 जीडब्ल्यू, पवन 41.84 जीडब्ल्यू, एसएचपी 4.92 जीडब्ल्यू और बायो-पावर 10.70 जीडब्ल्यू शामिल हैं), 46.85 जीडब्ल्यू बड़ी हाइड्रो और 6.78 जीडब्ल्यू परमाणु ऊर्जा क्षमता शामिल है।

****